Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
January-June 2023 4(1), 4758–4761

DETERMINANTS OF AJERBEJANIAN NON-ALIGNED POLICY

अजरबैजान की गुटनिरपेक्ष नीति के निर्धारक तत्व

Vinod Kumar [1]

[1] Senior Academic Research, Post-Doctorate, Ph.D., M.Phil., UGC-NET, & Lecturer, Department of Political Science, Government College, Bahadurgarh, India

ABSTRACT

English: This paper explains the determinants of Azerbaijan's foreign policy, particularly its non-alignment policy. Azerbaijan became a member of the Non-Aligned Movement in 2011. Immediately after joining this organization, Azerbaijan considered this principle a natural extension of its long-standing "balanced foreign policy" of multi-directional engagement, rather than a change in its foreign policy. After the formal declaration of the Non-Aligned Movement in 1961, all emerging nations adopted the policy of non-alignment as their foreign policy principle. The concept of non-alignment aims to allow developing countries to pursue an independent foreign policy, free from the constraints of Cold War power blocs and their associated pressures. For Azerbaijan, the Non-Aligned Movement provides a platform to diversify its foreign relations beyond the world's major powers, institutionalize its balanced policy, and engage with the Global South. Therefore, Azerbaijan's non-alignment is the result of a pragmatic foreign policy based on international realities.

Hindi: प्रस्तुत शोध पत्र के माध्यम से अजरबैजान की विदेश नीति विशेष रूप से जो इसकी गुटनिरपेक्षता की नीति है उसके निर्धारक तत्वों की व्याख्या की गई है। अजरबैजान 2011 में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का सदस्य बन गया था। इस संगठन का सदस्य बनने के तुरन्त बाद इस सिद्धान्त को अजरबैजान ने अपनी विदेश नीति में परिवर्तन की अपेक्षा बहुदिशात्मक संलग्न की अपनी दीर्घकालीन "संतुलित विदेश नीति" का स्वाभाविक विस्तार माना। 1961 में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की औपचारिक घोषणा के उपरान्त सभी नवोदित राष्ट्रों ने गुटनिरपेक्षता की नीति को अपनी विदेश नीति के सिद्धान्त के रूप में अपनाया। गुटनिरपेक्षता की अवधारणा का उद्देश्य विकासशील देशों को शीतयुद्ध के शक्ति गुटों और उनसे जुड़े दबावों से मुक्त होकर एक स्वतन्त्र विदेश नीति अपनाने की अनुमति देना है। अजरबैजान के लिए गुटनिरपेक्ष आन्दोलन विश्व की प्रमुख शक्तियों से परे अपने विदेशी संबंधों में विविधता लाने, अपनी संतुलित नीति को संस्थागत बनाने और वैश्विक दक्षिण के साथ जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है। अतः अजरबैजान की गुटनिरपेक्षता अन्तराष्ट्रीय वास्तविकताओं पर आधारित व्यवहारिक विदेश नीति का परिणाम है।

Keywords: Non-Alignment, Balanced Foreign Policy, Multi Directionality, Collective Security, Regional Organizations, International and Global Organizations गुटनिरपेक्षता, संतुलित विदेश नीति, बहुदिशात्मक, सामूहिक सुरक्षा, क्षेत्रिय संगठन, अन्तराष्ट्रीय एवं वैश्विक संगठन

Corresponding Author
Vinod Kumar, vinodkchahar@gmail.com

DOI
10.29121/shodhkosh.v4.i1.2023.6474

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2023 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

1. प्रस्तावना

इस शोध पत्र को पूर्ण करने के लिए द्वितीयक स्त्रोतों का सहारा लिया गया है जिसमें पुस्तकें, लेख, पत्रिकाएँ, अखबार, दस्तावेज तथा सामान्य ब्लागस का सहारा लिया गया है क्योंकि अन्तराष्ट्रीय संबंधों में प्राथमिक स्त्रोतों की अपनी सिमाएँ हैं जैसे शोधकर्ताओं द्वारा किए गए साक्षात्कार एवं प्रश्नोतरी के प्रति प्रतिभागियों की उदासीनता एवं पूर्वाग्रह की भावना आदि।

परिचय: अक्टूबर 1991 में पूर्व सोवियत संघ के विघटन के बाद अजरबैजान ने इससे अलग होकर औपचारिक रूप से एक स्वतन्त्र राष्ट्र के रूप में घोषणा की। इस घोषणा ने सोवियत संघ के विघटन और एक प्रभुसत्ता सम्पन्न राष्ट्र के रूप में अजरबैजान की यात्रा की शुरूआत को चिन्हित किया। इस नवोदित राष्ट्र को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिनमें लोकतान्त्रिक संस्थाओं की स्थापना, अपनी अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण तथा क्षेत्र

में भू-राजनीतिक जटिलताओं से निपटना शामिल था। क्योंकि सोवियत युग ने, अपनी एकदलीय प्रणाली और केन्द्रीयकृत नियंत्रण के साथ, अजरबैजान में सार्वजनिक संस्थानों और नागरिक समाज के विकास को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया था। 28 फरवरी 1992 को राजनयिक संबंधों की शुरूआत हुई थी। 25 मई 2011 को अजरबैजान ने गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की औपचारिक रूप से सदस्यता ग्रहण की थी।1 जिस प्रकार से द्वितिय विश्व युद्ध के पश्चात् की परिस्थितियां नवोदित राष्ट्रों के समक्ष थीं, ऐसी ही परिस्थितियां अजरबैजान गणराज्य के समक्ष थीं।2 वैश्विक समुदाय के समक्ष अपनी विशिष्ट पहचान बनाने के लिए, एक संतुलित तथा बहुआयामी विदेश नीति बनाए रखने के लिए अजरबैजान के विदेश नीति निर्माताओं ने कुछ महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं निश्चित की हैं जिसका प्रमुख लक्ष्य गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण एवं रणनीतिक स्वायसत्ता को बनाए रखना है।

इस नीति की सबसे पहली और बड़ी प्राथमिकता सैन्य गठबंधनों में शामिल न होना है और क्षेत्रीय शान्ति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए तटस्थतावादी दृष्टिकोण अपनाना, रूसी नेतृत्व वाले सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन में शामिल न होना, क्षेत्रीय साझेदार जार्जिया और यूक्रेन के विपरित नैटो का सदस्य न बनना बल्कि शांतिपूर्ण उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किए गए कार्यों का सहयोग करना है। इस प्रकार के सहयोग में डि-माइनिंग प्रोजेक्ट, अफगानिस्तान और इराक में शान्ति अभियान, सार्वजनिक कूटनीति, बेहतर शिक्षा कार्यक्रम तथा अन्य गैर संवेदनशील मुद्दे शामिल हैं। अपनी गुटनिरपेक्ष नीति को विस्तार देने तथा राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए अजरबैजान ने इसराइल, बेलारूस, यूक्रेन, पाकिस्तान और कई अन्य देशों के साथ इस प्रकार के सहयोग की शुरूआत की। सैन्य गठबंधनों में शामिल न होने से सबसे बडा फायदा यह होता है जब क्षेत्रीय संघर्ष प्रारम्भ होते हैं उस समय अजरबैजान एक तटस्थ दृष्टिकोण अपनाकर इन संघर्षों एवं दबावों को कम करके देश की आन्तरिक एवं बाह्य सुरक्षा सुनिश्चित कर पाता है।3 इसकी दूसरी प्राथमिकता वाला बिन्दू क्षेत्रीय शक्ति संरचना है अर्थात् अजरबैजान वर्तमान समय में क्षेत्रीय सहयोग ढाँचे में सक्रिय रूप से शामिल है और साथ ही नए बहुपक्षीय संस्थानों और मंचों के निर्माण का प्रस्ताव भी रखता है। इस संदर्भ में इसने अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों की पूर्ति के लिए संयुक्त राष्ट्र और इसके विशेष अभिकरणों; यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन; यूरोप की संसद और परिषद; स्वतंत्र राज्यों का राष्ट्र मंडल; इस्लामिक सहयोग संगठन, आर्थिक सहयोग संगठन सहित सभी अभिकरणों के साथ सक्रिय भागीदारी और पारस्परिक सहयोग को बढ़ावा देती है। अजरबैजान की विदेश नीति की प्राथमिकता वाला तीसरा बिन्दू आर्थिक अवसरों से संबंधित है। अजरबैजान राजनीति विषयों पर समन्वय स्थापित करने और व्यापारिक तथा निवेश सहित आर्थिक अवसरों को विकसित करने के लिए कई देशों के साथ द्विपक्षीय तथा सक्रिय रूप से काम कर रहा है। और अन्तिम बिन्दू में इसने अपने पड़ौसियों की अपेक्षा मध्यपूर्व पर अधिक बल दिया है तथा मध्य पूर्व में इस्लामी देशों के साथ संबंधों को व्यापक रूप से बढ़ावा देने के लिए अनेक सहयोगात्मक पहलुओं को मान्यता प्रदान की।4 अतः ये सभी महत्वपूर्ण बिन्दू अजरबैजान की विदेश नीति को प्रभावित करते हैं और इस कारण से अजरबैजान ने 20वीं शताब्दी की सबसे व्यापक एवं विस्तृत संस्थान गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का सदस्य बनकर तृतीय विश्वाद की विचारधारा को आगे बढ़ाया। इस आन्दोलन का सदस्य बनना अपने आप में एक महत्वपूर्ण सिमाचिन्ह् है जिसके माध्यम से विदेश नीति के अल्पकालिन और दीर्घकालिन लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सके। अजरबैजान ने इस नीति को एक साधन के रूप में, बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने तथा शासन के अनेक लोकताान्त्रिक तरीकों के रूप में विश्व पटल पर रेखाँकित किया। इस सिद्धान्त के जन्मदाताओं, नीति निर्माताओं तथा पर्यवेक्षकों द्वारा इसकी औचित्यता एवं देश की आंतरिक और बाह्य परिस्थितियों के अनुरूप अनेक सकारात्मक तर्क प्रस्तुत किए और अजरबैजान ने अपनी गुटनिरपेक्षता की नीति को अपनी "संतुलित विदेश नीति" के स्वाभाविक विस्तार के रूप में चित्रित किया और अपनाया।

इस सिद्धान्त को मूल रूप से 1990 के दशक की शुरूआत में संकट की स्थिति उत्पन्न होने के बाद एक प्रतिक्रिया के रूप में तत्कालीन राष्ट्रपति हैदर अलीबेग द्वारा प्रस्तुत किया गया था। अतः अजरबैजान वर्तमान समय में राष्ट्रीय विकास के लिए इस सिद्धान्त के साथ-साथ विकास के अन्य बहुआयामी विकल्पों को भी अपनाने की आज्ञा प्रदान करता है।5 जिससे एक स्वतन्त्र विदेश नीति को औपचारिक आधार मिलता है। निश्चित रूप से इस प्रकार की वैकल्पिक स्थिति दक्षिणी कोकेश क्षेत्र के अन्दर और बाहर इसकी नेतृत्वकारी स्थिति को मजबूत करती है। अजरबैजान एकमात्र दक्षिण कोकेशियन गणराज्य है जिसने सैन्य गुटों में भाग न लेने का विकल्प चुना है जबकि जार्जिया नॉटो की सदस्यता के लिए उत्साहपूर्वक प्रयास कर रहा है। इसके अतिरिक्त, आर्मेनिया सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन का पूर्ण सदस्य है।6 परन्तु इन सभी सकारात्मक पहलुओं के बावजूद पाश्चात्य जगत के शीर्ष अधिकारियों ने इस सिद्धान्त की आलोचना की।

2. अजरबैजान की गुटनिरपेक्ष नीति के निर्धारक तत्व

किसी भी देश की विदेश नीति अनेक कारकों पर निर्भर करती है अजरबैजान की गुटनिरपेक्षता की नीति के अनेक निर्धारक तत्व हैं जैसे इसकी भू-राजनीतिक स्थिति, ऐतिहासिक अनुभवों, संघषों तथा रणनीतिक हित आदि। इसके अतिरिक्त महाशक्तियों के साथ संबंधों को सौहार्दपूर्ण तथा संतुलित करने, क्षेत्रीय एकता, अखण्डता, स्थिरता बनाए रखने और बहुआयामी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अजरबैजान ने अन्तराष्ट्रीय घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए रूस, चीन तथा अमेरिका के मध्य उत्पन्न विवादों में उलझने की अपेक्षा अलग रहकर आन्तरिक सुरक्षा को बनाए रखना तथा संघर्षों का निपटारा करते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए इस मार्ग का चयन किया है।7 तथापि अजरबैजान की गुटनिरपेक्षता को निर्धारित करने वाले निम्नलिखित तथ्य हैं।

भू-राजनीतिक स्थानः अजरबैजान की भौगोलिक स्थिति पूर्वी यूरोप और पश्चिम एशिया के बीच, कोकेश क्षेत्र में स्थित है। यह एशिया का ही हिस्सा माना जाता है और इसकी सीमाएं रूस, जार्जिया, आर्मेनिया, तुर्की तथा ईरान जैसी बड़ी शक्तियों से लगती हैं।8 इस प्रकार की राजनीतिक स्थिति के कारण किसी भी एक शक्ति पर निर्भरता या उनके आपसी संघर्षों में पड़ने की अपेक्षा सावधानीपूर्वक संतुलन बनाए रखना परमावश्यक है।9

सुरक्षा संबंधी विचार: दूसरा विचार सुरक्षा से संबंधित है किसी भी देश की आन्तरिक सुरक्षा क्षेत्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय घटनाक्रम से प्रभावित हुए बगैर नहीं रह सकती है। दक्षिणी कॉकेशस में राजनीतिक अस्थिरता, आन्तरिक संकट तथा इसके अनसुलझे क्षेत्रीय विवाद और संघर्ष संभवतः इसे एक स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है10

ऐतिहासिक अनुभव: किसी भी देश का इतिहास अपने आन्तरिक एवं बाह्य सुरक्षा चिन्ताओं एवं अनुभवों को देश के समक्ष प्रस्तुत करता है तथा इन्हीं चिन्ताओं एवं अनुभवों के आधार पर विदेश नीति आकार लेती है। अजरबैजान का इतिहास, विशेष रूप से सोवियत संघ के पतन और उसके बाद उत्पन्न हुए अनेक क्षेत्रीय संघर्षों के परिणामस्वरूप देश में स्वतन्त्रता एवं संप्रभुता के प्रति सकारात्मक पहल की गई। जोकि गुटनिरपेक्षता के प्रमुख मूल्य हैं।11

आर्थिक विकास: अजरबैजान ने 1991 में अपने आर्थिक विकास के लिए, प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग तथा गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए अन्तराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्रीय तथा अन्तराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग किया है। अजरबैजान में प्राकृतिक संसाधन विकसित दुनिया के बहुराष्ट्रीय निगमों को आकर्षित करते हैं। अतः इसके महत्वपूर्ण तेल और गैस भंडार इसे एक महत्वपूर्ण उर्जा आपूर्तिकर्ता देश के रूप में प्रतिबिंबित करते हैं। इसी आर्थिक एवं प्राकृतिक संसाधनों की महता के कारण अजरबैजान को एक वैविध्यपूर्ण विदेश नीति अपनाने तथा किसी एक शक्तिशाली राष्ट्र के साथ अधिक आश्रितपूर्ण संबंध तथा साझेदार बनने की अपेक्षा आत्मनिर्भर बनने के लिए सक्षम बनाता है।12

बहुपक्षवाद की नीति की चाह: अजरबैजान बहुपक्षवादी नीतियों का समर्थन करता है तथा अन्तराष्ट्रीय संगठनों की सदस्यता ग्रहण करते हुए शासन के लोकतान्त्रिक तरीकों, लोकतान्त्रिक मूल्यों, अन्तराष्ट्रीय कानून तथा सभी प्रकार के संगठनों के लोकतान्त्रिककरण की प्रक्रिया के प्रति कटिबद्ध है। इस संदर्भ में कहा जा सकता है कि अजरबैजान बहुपक्षवादी नीति के अनुरूप क्षेत्रीय संघर्षों, आतंकवाद, पर्यावरणीय असंतुलन, परिवहन, उर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी तथा कोविड जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने सहित अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय और अन्तराष्ट्रीय मंचों का उपयोग करने पर बल देता है। अजरबैजान संयुक्त राष्ट्र, गुटनिरपेक्ष आन्दोलन, इस्लामिक सहयोग संगठन, यूरोपीय परिषद और यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन आदि का सदस्य है।13

अन्तराष्ट्रीय संबंधों का विविधीकरण: अजरबैजान की विदेश नीति अन्तराष्ट्रीय संबंधो के लोकतांन्त्रिकरण तथा विविधीकरण पर बल देती है। अजरबैजान ने गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का सदस्य बनकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वह महाशक्तियों के अतिरिक्त वैश्विक दक्षिण (एशिया, अफ्रीका, मध्यपूर्ण तथा लेटिन अमेरिका के देशों और संगठनों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करेगा। निश्चित रूप से इस प्रकार की रणनीति अजरबैजान को यूरो-अटलांटिक और यूरेशियन संस्थानों से जुड़ी असीमित परिग्रहण आवश्यकताओं से बचते हुए व्यापक अन्तराष्ट्रीय समर्थन और सहयोग प्राप्त करने की अनुमति प्रदान करती है।14

3. निष्कर्ष

उपरोक्त विवरणानुसार कहा जा सकता है कि अजरबैजान की गुटनिरपेक्षता और गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की सदस्यता इसके ऐतिहासिक कारकों, भू-राजनीतिक वास्तविकताओं और रणनीतिक उद्देश्यों के जटिल अंर्तसंबधों से प्रभावित है जिसका उद्देश्य स्वतन्त्रता बनाए रखना, अन्तराष्ट्रीय संबंधों में विविधता लाना और जटिल वैश्विक वातावरण में अपनी स्थिति को सुरक्षित रखना है। अजरबैजान को पूर्व सोवियत संघ से स्वतन्त्रता मिलने के तुरन्त बाद से ही अजरबैजानी सरकारों ने अपनी विदेश नीति के सिद्धान्त के रूप में गुटनिरपेक्ष को अपनाया तथा एक विशेष रणनीति के रूप में एक बहुत ही जटिल भू-राजनीतिक वातावरण में आत्मसात किया, जो मुख्य रूप से उत्तर में रूस और दक्षिण ईरान के मध्य स्थित होने के कारण था। यद्यपि, दक्षिणी काकेशस में अजरबैजान के दो अन्य निकटतम पड़ोसियों, अर्मेनिया और जॉर्जिया को तटस्थता त्यागनी पड़ी क्योंकि ये देश विपरित दिशाओं में अपने राष्ट्रीय हित तलाश कर रहे थे। जहाँ अर्मेनिया ने रूस के साथ गठबंधन किया और उसकी प्रमुख क्षेत्रीय, राजनीतिक, सैन्य और आर्थिक एकीकरण परियोजनाओं में भाग लिया, वहीं जार्जिया ने आंशिक रूप से यूरो-अटलांटिक राजनीतिक और सैन्य संरचनाओं में एकीकृत होकर रूस के विरूध संतुलन बनाने का प्रयास किया। अजरबैजान एकमात्र ऐसा देश निकला जिसने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए और आर्थिक एवं राजनीतिक सफलता प्राप्त करते हुए प्रमुख शक्तियों के मध्य तटस्थता बनाए रखने में सफलता प्राप्त की। स्वतन्त्रता के उपरान्त इसके दो नेताओं को क्षेत्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर पर विफलता, देश की आर्थिक सफलता तथा राष्ट्रपति हैदर अलीबेग और राष्ट्रपति इल्हाम अलीबेग की सरकारों के लिए स्थिर जन समर्थन से मिले सबक ने अजरबैजान को विदेश नीति की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने और देश की संप्रभुता और स्वतन्त्रता से समझौता किए बिना गुटनिरपेक्षता को अपनाते हुए सभी प्रमुख महाशक्तियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने में सक्षम बनाया।

संदर्भ

करीफा कजीमोवा, "अजरबैजान गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की सदस्यता ग्रहण की," अधिक जानकारी के लिए रेडियो पुस्तकालय, 25 मई 2011 पर खोजें.

वही.

फरीज इस्माइलजादे, "अजरबैजान की विदेश नीति की प्राथमिकताएँ और मध्यपूर्व की भूमिका," मध्यपूर्व संस्थान, 12 मई 2020.

वही., तथा एम० अधायारोब, "आधुनिक अन्तराष्ट्रीय मामलों के संदर्भ में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन और अजरबैजान के लिए इसके निहितार्थ", अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, खजर विश्वविद्यालय, राजनीति विज्ञान विभाग, बॉकू 2022 अवश्य देखें.

जे० ई० स्ट्रैक्स, "गुटनिरपेक्ष आन्दोलन और अजरबैजानः "संतुलित विदेश नीति सिद्धान्त का संस्थाकरण," अन्तराष्ट्रीय मामलों का संस्थान, वर्किंग पेपर, संख्या 15, 11 मई, 2015 पृ० 5-10.

डिबलपमेंट कॉन्सेप्ट "डिबलपमेंट कार्यक्रम की बेबस्थल पर उपलब्ध है तथा "एक क्षेत्रीय नेता के रूप मे अजरबैजानका उदयः विकास एवं सत्ता, "आई सी बी एस एस नीति संक्षिप्त, संख्या 28, सितम्बर 2013 भी देखें। तथा वासिफ हुसैन, अजरबैजान सैट टू टेक ओवर द चेयरमैनशिप ऑफ़ नॉन-अलाईड मूवमैंट, न्यू इस्टर्न यूरोप, अगस्त 2019.

इसकनदरोव इबराहम ख्याल तथा ममाजादा मोहमदअली वुगर, " नॉन -एलाईड पॉलिसी अज ऐ प्रिंसिपल ऑफ़ सेपिंग द नेशनल सिक्योरिटी विद द फोकस आन द केश ऑफ़ अजरबैजान, "जरनल ऑफ़ डिफेंस रिसोर्सिज मैनेजमेंट, वा० 10, न० 2, अक्टूबर 2019, पृ० 62-72

पीटर बरकानी तथा लॉसजो वसा, "मध्य गलियारे में अजरबैजान की भू-राजनीतिक महता," विदेश नीति समीक्षा, वा० 16, अंक 2, 2023 पृ० 39-40

निकलता वरानी, "अजरबैजान फ्रेमवकर्सः जियोइकालटिक्स एण्ड सोस्यो- इकॉनामिक कनसिडरेशनस "जियोपालिटीकल, सोशल सिक्योरिटी एण्ड फ्रिडम जरनल, वा० 1, अंक 2, 2018 पृ० 44-45

अजरबैजान गणराज्य अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रारम्भ से ही प्रतिबद्ध है। प्रस्तुत विवरण के संदर्भ के लिए देखें, केमेनिया पाशायेवा, "अजरबैजान एण्ड सिक्योरिटी कामपलैक्स ऑफ़ द साउथ काकेशस," कजासोपीसमा मर्साजालेक काम तथा के० म अलीयेव, "द रोल ऑफ़ नान-अलाईंड मूवमेंट थ्रो द लेन्स ऑफ़ इन्टरनेशनल लॉ एण्ड सिक्योरिटी," रिमितरीपेपिक दुस्को तथा सी० जोवन (संपादक) गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की 60वीं वर्षगांठ, अन्तराष्ट्रीय राजनीतिक और आर्थिक संस्थान, बेलग्रेड 2021

अजरबैजान एण्ड the Non-aligned Movement through Mass Information and Communication, GRANI

अनार मुरादोव, "द इम्पोरटेंश ऑफ़ नेचुरल रिसोर्सिस फॉर द अजरबैजानी इकोनामी," इकनोमिकस, बिजनेस एण्ड आरगनाईजेशन रिसर्च, वा० 3, अंक 1, जून 2021, पृ० 1-2

अजरबैजान अपनी विदेश नीति की आधारशीला के रूप में बहुपक्षवाद का सक्रिय रूप से समर्थन करता है विशेष रूप से अन्तराष्ट्रीय सहयोग और विकास को बढ़ावा देने के लिए।

विस्तृत विवरण के लिए देखें, "अजरबैजान और बहुपक्षवाद" 21वीं शताब्दी मे बहुवचन और अजरबैजान" इटरनेट से लिया गया है।

"अजरबैजान की गुटनिरपेक्षता को निर्धारित करने वाले तत्व" अधिक जानकारी के लिए इंटरनेट की बेबस्थल पर खोज कर सकते हैं।